an>

Title: Demand to take measures to resolve the issues of grievous farmers in Chittorgarh Parliamentary Constituency, Rajasthan.

श्री सी.पी. जोशी (चित्तौड़गढ़): धन्यवाद, अध्यक्ष महोदय । मैं आपके प्रति विशेष आभार प्रकट करना चाहता हूं कि आपने मुझे चित्तौड़ संसदीय क्षेत्र और पूरे मेवाड़ के किसानों की बात को उठाने का अवसर दिया है ।

12.40 hrs (Shri Rajendra Agrawal *in the Chair*)

मैं खरीफ की फसल के बारे में कहना चाहता हूं । बेमौसम बारिश से किसान के खेतों में पकी-पकाई फसल पड़ी रह गई और कई मण्डियों में फसल खराब हो गई । उन फसलों में चाहे मक्का हो, चाहे सोयाबीन हो, चाहे दलहन या तिलहन हो, वे फसलें बर्बाद हो गईं । इसी सदन में कई वर्षों के बाद माननीय प्रधान मंत्री जी ने फसल खराब का कानून, जो 50 परसेंट था, उसको 33 परसेंट कराने का काम किया, लेकिन राजस्थान की सरकार ने गिरदावरी में स्पष्ट निर्देश दिए कि 33 परसेंट से ऊपर खराबा का उसमें आकलन नहीं है ।

मेरी आपके माध्यम से सरकार से मांग है कि खरीफ की फसल तो खराब हुई, लेकिन उसके साथ-साथ रबी की फसल में अभी पानी भर गया । उस पानी ने कई जगह तो अमृत का काम किया, लेकिन कई जगहों पर फसलें बर्बाद हो गईं । मेरी आपके माध्यम से सरकार से मांग है कि उचित गिरदावरी हो और किसान को उसकी फसल का उचित खराबा मिले । इस संकट के समय राजस्थान की सरकार न तो कर्ज माफी कर रही है और न ही बिजली के बिलों को माफ कर रही है । ऐसे समय में उचित गिरदावरी होगी तो निश्चित रूप से किसानों को फायदा मिलेगा ।

महोदय, इसके साथ ही मेरे क्षेत्र में अफीम की खेती भी होती है । वहां वर्ष 2014 से लेकर अभी तक 18 हजार से लगभग 75 हजार तक लाइसेंस बढ़ाने का

काम किया, लेकिन और भी ऐसे कई लोग हैं, जो इस बड़ी संख्या में अफीम के लाइसेंस की कतार में हैं । मेरी सरकार से मांग है कि उन लोगों को एक रिलेक्सेशन देते हुए, सहानुभूतिपूर्वक उन सभी लोगों को लाइसेंस देने का काम करें । पॉपी हस्क, जो डोडा चूरा होता है, जिसमें बहुत हल्का नशा होता है । कई बार राजस्थान की पुलिस उनको बेवजह परेशान करने का काम करती है । मेरी सरकार से मांग है कि उनको 8/29 की धारा से निकाला जाए तो आम किसान, जो पुलिस की मार से मरता है, उसको इससे राहत मिल सकेगी । मेरी आपके माध्यम से यही सरकार से मांग है । आपका बहुत-बहुत धन्यवाद ।